भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 413 का उत्तर

प्राइम भूमि की अधिकतम उपयोगिता

413. श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने रेल स्टेशनों के समीप की अपनी प्रमुख भूमि की उपयोगिता को अधिकतम करने के लिए दशकों पुरानी बिखरी हुई इमारतों को शहर के केंद्रों के रूप में बहुमंजिला संरचनाओं से बदलने का निर्णय लिया है और रेलवे नेटवर्क में स्टेशनों के विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं, क्योंकि शहर आमतौर पर रेलवे स्टेशनों के आसपास विकसित होते हैं, जबकि स्टेशनों के आसपास के निर्माण कई दशकों पुरानी कम ऊंचाई वाली इमारतों से भरे हुए हैं;

(ख) यदि हां, तो जोन-वार, विशेषकर दक्षिण मध्य रेल में पहचान की गई ऐसी भूमि और इस संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या स्टेशन की प्रमुख अवस्थिति को देखते हुए यह स्टेशन के सघन उपयोग और पूरे क्षेत्र का इस प्रकार पुनर्विकास करने का अवसर प्रदान करता है कि पूरा स्थान नागरिकों के लिए अधिक उपयोगी हो जाए और बदले में यह रेल के लिए मूल्य लाए, ताकि स्टेशन सिटी सेंटर बन जाए और रिक्त रेल भूमि में अतिक्रमण को रोका जा सके; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

प्राइम भूमि की अधिकतम उपयोगिता के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में श्री वाई. एस. अविनाश रेड्डी के अतारांकित प्रश्न सं. 413 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): रेल मंत्रालय द्वारा भारतीय रेल के स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' की शुरुआत की गई है| इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण से सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इस योजना में प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशन पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह में सुधार और छतदार प्लेटफार्म, साफ-सफाई, नि:शुल्क वाई-फाई, 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोदिष्ट स्थान, भूदृश्य निर्माण आदि के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में लंबी अवधि के दौरान स्टेशन भवन में सुधार; रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था, आवश्यकता के अनुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा-व्यवहार्य 'रूफ प्लाजा', और रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टर्स के निर्माण की संकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1324 स्टेशनों की पहचान की गई है, जिसमें से 119 स्टेशन दक्षिण मध्य रेलवे में स्थित हैं।

****